एक नजर में

आगामी कार्यक्रमों को लेकर रोटरी क्लब की बैठक

नीमच। रोटरी क्लब नीमच की मासिक बैठक निजी रेस्टोरेन्ट में रविवार को दोपहर 1 बजे संचालित की गई। जिसमें आगामी माह सावन में वृक्षारोपण एवं गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सेवा प्रकल्पों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में सभी सदस्यों ने समाजहित में अधिक से अधिक सेवा कार्यो विद्यालय में उपयोगी पाठ्य सामग्री, स्वच्छता, पर्यावरण एवं जनहित के कल्याणकारी कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में ओम काबरा, मयंक जायसवाल, आदर्श भारती, कोषाध्यक्ष सचिन, अनिल कुमार तोतला, अनिल दरक, मुकेश बाहेती, आशीष दरक, संदेश मंडोवरा, निर्मल दरक सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

गौ माता को राष्ट्रमाता बनाने कल सड़कों पर उतरेगा नीमच

नीमच। गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। 25 जुलाई को सर्व हिंदू समाज की बैठक के बाद कल 27 जुलाई को पूरे शहर में बड़ा जनसमर्थन जुटाने की तैयारी है। सर्व हिंदू समाज ने शहर के सभी सामाजिक संगठनों, व्यापारी संघों और नागरिकों से आह्वान किया है कि सोमवार को दोपहर 12 बजे तक अपने प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रखें और इस अभियान का समर्थन करें। इसके बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें गो माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की जाएगी। आयोजकों का कहना है कि यह केवल एक ज्ञापन नहीं, बल्कि गो संरक्षण और भारतीय संस्कृति के सम्मान से जुड़ा जनआंदोलन है।

गवली समाज ने निभाई वर्षों पुरानी उज्जैयनी परंपरा

नीमच। अच्छी वर्षा, हरियाली और समृद्धि की कामना के साथ रविवार को शहर की ग्वालटोली में श्री चंद्रवंशी ग्वाला-गवली समाज द्वारा पारंपरिक उज्जैयनी गांव बाहर रोटी कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुष, युवा और बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इंद्रदेव की विशेष पूजा-अर्चना की तथा समय पर अच्छी वर्षा, किसानों की खुशहाली और जनकल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राधाकृष्ण मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इंद्रदेव के विधि-विधान से पूजन एवं हवन के साथ हुआ। धार्मिक अनुष्ठान के बाद समाज के सभी परिवार खुले स्थान पर एकत्रित हुए और परंपरा के अनुसार अपने-अपने हाथों से भोजन तैयार किया। परंपरा के अनुसार तैयार किए गए भोजन का पहला भोग इंद्रदेव को अर्पित किया गया। इस दौरान प्रदेश एवं जिले में भरपूर वर्षा, अच्छी फसल, किसानों की समृद्धि, सुख-शांति और जनकल्याण की मंगलकामना की गई। समाज के वरिष्ठजनों ने बताया कि उज्जैयनी गांव बाहर रोटी की यह परंपरा वर्षों पुरानी है और समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र रही है। मान्यता है कि सामूहिक पूजा, हवन और प्रार्थना से इंद्रदेव प्रसन्न होकर अच्छी वर्षा का आशीर्वाद प्रदान करते हैं, जिससे किसानों और आमजन के जीवन में खुशहाली आती है।इस अवसर पर नवयुवक मंडल अध्यक्ष विजय पडरिया ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं. कार्यक्रम के अंत में सभी समाजजनों ने क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा, अच्छी फसल, सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए सामूहिक भोजन ग्रहण किया। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और पारंपरिक संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली।

सिंगोली में बनेगा 50 बिस्तरों का अत्याधुनिक सिविल अस्पताल

- विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने किया भूमि निरीक्षण
- 15.65 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

सिंगोली। जावद विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने शनिवार को सिंगोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 15 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से 30 बिस्तरों के अस्पताल को 50 बिस्तरों के सिविल अस्पताल में उन्नत किए जाने के लिए प्रस्तावित भूमि का स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद विधायक सखलेचा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा आवश्यक संसाधनों की कमी का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया। नागरिकों और चिकित्सा अधिकारियों की समस्याएं सुनते ही विधायक ने तत्काल भोपाल एवं नीमच स्थित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि क्षेत्रवासियों को उनके घर के नजदीक बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अस्पतालों के विकास तथा मरीजों के बेहतर उपचार के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि जावद विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में नए स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत हुए हैं तथा स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आयोजित निशुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हजारों ग्रामीणों का परीक्षण एवं उपचार भी किया गया।

श्रीहरि योग निद्रा में...20 नवम्बर को जागेंगे

- सृष्टि का कार्यभार बाबा भोलेनाथ के पास आया
- देवउठनी एकादशी से शुरू होंगे शादी-ब्याह

नीमच। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानी शनिवार से 119 दिन लम्बा प्रभु श्रीहरि का शयनकाल प्रारंभ हो रहा है। अब चार माह सृष्टि का कार्यभार बाबा भोलेनाथ के पास आ जाएगा। मांगलिक कार्यों पर तो रोक रहेगी, लेकिन मंदिरों में अनुष्ठानों की शुरुआत होगी।

सृष्टि के सूत्रधार भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा में लीन होने के साथ ही 119 दिनों तक विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ, सगाई और नए भवन के निर्माण जैसे सभी प्रकार के मांगलिक व शुभ अनुष्ठान पूर्णत: स्थगित रहेंगे। आचार्य पंडित मुकेश उपाध्याय ने बताया कि देवशयन के इस काल में मांगलिक कार्य भले ही वर्जित हों, लेकिन धार्मिक अनुष्ठान, नामकरण संस्कार, सत्यनारायण कथा, भूमि-भवन की खरीदारी और नए वाहनों का पंजीकरण पूरी तरह शुभ माना गया है। चातुर्मास की शुरुआत होते ही मंदिरों में भगवान शालिग्राम का पंचामृत अभिषेक, सामूहिक विष्णु सहस्त्रनाम पाठ और संकीर्तन सभाओं का दौर शुरू होगा।

चार माह बाद जागेंगे देव

चार माह बाद 20 नवंबर को कार्तिक शुक्ल एकादशी, अर्थात देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के साथ ही मांगलिक कार्यों की शुभ शुरुआत होगी। तुलसी विवाह के बाद साल के अंतिम दो महीनों में विवाह के लिए बेहद सीमित अवसर मिलेंगे।

नीमच की जीटो लेडीज़ विंग का राष्ट्रीय स्तर पर डंका

नीमच। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीटो) लेडीज़ विंग नीमच ने अपने दो वर्षीय कार्यकाल में उत्कृष्ट संगठनात्मक कार्य, सामाजिक सेवा और नवाचारपूर्ण पहलों के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित जीटो लेडीज़ विंग के राष्ट्रीय अधिवेशन एवं समीक्षा कार्यक्रम में नीमच चैप्टर को एक साथ पांच प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। यह उपलब्धि न केवल नीमच बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय बनी। इस अवसर पर नीमच चैप्टर की चेयरपर्सन रिंकू राठौर एवं मीताली जैन ने जिले का प्रतिनिधित्व किया।

हरिद्वार स्थित भागीरथी घाट के अतिशय होटल में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में देश-विदेश से जीटो लेडीज़ विंग की पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुईं। वर्षभर में विभिन्न चैप्टरों द्वारा किए गए सामाजिक, संगठनात्मक एवं नवाचारपूर्ण कार्यों की समीक्षा के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चैप्टरों को सम्मानित किया गया। नीमच चैप्टर को अध्यक्ष उत्कृष्टता सम्मान, सचिव उत्कृष्टता सम्मान, सर्वश्रेष्ठ समग्र पहल सम्मान (नीमच), साइबर सुरक्षा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पहल सम्मान तथा स्वास्थ्य एवं पोषण सम्मान से नवाजा गया। इन सम्मानों के माध्यम से संगठन की प्रभावी कार्यशैली, बेहतर प्रशासन, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में किए गए अभिनव कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

गुरु पूर्णिमा पर होगा आयुर्वेद का महायज्ञ

नीमच। गुरु परंपरा, आयुर्वेद और आध्यात्मिक साधना का संगम इस बार निपानिया आबाद स्थित श्री धन्वंतरी पीठम्(श्री अम्बामाता आरोग्य धाम) में देखने को मिलेगा।

28 और 29 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान आद्या शक्ति आयुर्वेद क्लिनिक का शुभारंभ, नागार्जुन रस शाला का भूमिपूजन, गुरु पूजन, मंत्र दीक्षा, महाअभिषेक, हवन, संगीतमय सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या जैसे धार्मिक एवं आरोग्य कार्यक्रम होंगे। परम पूज्य संत श्री 1008 सुरेशानंद सरस्वती (गुरुजी निपानिया) के सानिध्य में होने वाले आयोजन में प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से युवा वैद्य, कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

श्री अम्बामाता आरोग्य सेवा न्यास एवं गुरुजी परिवार की ओर से आयोजित इस महोत्सव को गुरु परंपरा और भारतीय आयुर्वेद के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य आध्यात्मिक चेतना के साथ आयुर्वेद आधारित आरोग्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। इसी क्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 'आद्याशक्ति आयुर्वेद क्लिनिक' का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा, जबकि भविष्य की आयुर्वेदिक औषधि निर्माण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 'नागार्जुन रस शाला' का भूमिपूजन भी होगा।

महोत्सव की शुरुआत 28 जुलाई को दशविधि स्नान, प्रायश्चित हवन और भगवान श्री धन्वंतरी के महा अभिषेक एवं पूजन से होगी। इसके बाद आयुर्वेद से जुड़े अनुभव कथन, केस प्रेजेंटेशन और चर्चा सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें देशभर से आए युवा वैद्य अपने शोध, उपचार पद्धति और अनुभव साझा करेंगे। शाम को संगीतमय सुंदरकांड पाठ और रात्रि में भजन संध्या का आयोजन होगा। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री धन्वंतरी पीठाधीश्वर का महाभिषेक एवं आरती होगी।

शहीद पार्क में कारगिल विजय दिवस मनाया

नीमच। रविवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा शहर के मनासा नाका स्थित शहीद पार्क में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक दिलीप सिंह परिहार और पुलिस लाइन आरआई विक्रम सिंह भदौरिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों और पूर्व सैनिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया।

इसके अतिरिक्त, परिसर में स्थित उस ऐतिहासिक वृक्ष पर भी पुष्पचक्र अर्पित किए गए, जहाँ स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सेनानियों को फांसी दी गई थी।

वक्ताओं ने कारगिल युद्ध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने घुसपैठियों और आतंकवादियों को कारगिल की चोटियों से खदेड़कर तिरंगा फहराया था। इसी विजय की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' मनाया जाता है।

एक नजर — आस्था के जनसैलाब के बीच हुआ भव्य स्वागत

धर्मनगरी नीमच में ज्ञानोत्सव चातुर्मास मंगल प्रवेश

नीमच। श्री जैन श्वेतांबर भीड़भंजन ट्रस्ट श्रीसंघ, नीमच के तत्वावधान में रविवार को ज्ञानोत्सव चातुर्मास मंगल प्रवेश का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

साध्वी अमि पूर्णा श्रीजी म.सा., अमि दर्शा श्रीजी म.सा., नीमच की लाडली बेटियां साध्वी मृदुपूर्णा श्रीजी म.सा., साध्वी जिनांगपूर्णा श्रीजी म.सा., अमि वर्षा श्रीजी म.सा., अर्पणा श्रीजी म.सा., लब्धिपूर्णा श्रीजी म.सा., जैनमपूर्णा श्रीजी म.सा., प्राप्तिपूर्णा श्रीजी म.सा. एवं केवल्यपूर्णा श्रीजी म.सा. सहित ठाणा-10 के सानिध्य में आयोजित इस मंगल प्रवेश में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया।

श्रीसंघ अध्यक्ष अनिल नागौरी एवं सचिव मनीष कोठारी ने बताया कि प्रात: जैन भवन में नवकारसी के बाद मंगल प्रवेश यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा वीर पार्क रोड, महेश सर्कल, कमल चौक, घंटाघर, जाजू बिल्डिंग एवं पुस्तक बाजार होते हुए पुन: जैन भवन पहुंची, जहां विशाल धर्मसभा आयोजित हुई। पूरे मार्ग में समाजजनों ने स्वागत द्वार सजाए, 31 से अधिक स्थानों पर आकर्षक रंगोलियां बनाई तथा अक्षत एवं स्वास्तिक से साध्वीवृंद का अभिनंदन किया।

मंगल प्रवेश यात्रा में नागेश्वर तीर्थ की कुशल विचक्षणा बहू मंडल की महिलाओं ने पीले परिधानों में बैंड की मधुर प्रस्तुतियां दीं। सूर्य महिला मंडल की सदस्याएं जिनशासन की ध्वजा लेकर चल रही थीं, जबकि अष्टपार्श्व बहू मंडल की महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा की शोभा बढ़ाई।

मंदसौर

एक नजर में

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस पर 'पर्यावरणीय सौन्दर्य दर्शन' पुस्तक पर समीक्षा सत्र आयोजित

मंदसौर। विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट (एक्सीलेंस) महाविद्यालय में पुस्तक क्लब 'सत्यधर्मा' के चतुर्थ सत्र के अंतर्गत 'पर्यावरणीय सौन्दर्य दर्शन (तथ्य और अनुशीलन)' पुस्तक पर विशेष समीक्षा सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. राज कपूर वर्मा, संयोजक डॉ. वीणा सिंह एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के प्रो. किस्मत कुमार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक पर आयोजित समीक्षा में वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल विज्ञान या कानून का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैतिकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा हुआ है। पुस्तक प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और पर्यावरणीय चेतना का प्रभावी संदेश देती है। समीक्षा सत्र में डॉ. प्रेरणा मिश्रा, डॉ. संतोष कुमार शर्मा, डॉ. पंकज रसानिया, डॉ. वीणा सिंह एवं डॉ. सीमा जैन ने पुस्तक के विभिन्न आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने कहा कि पर्यावरण का संबंध केवल पेड़-पौधों से नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय जीवन से भी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. राज कपूर वर्मा ने पुस्तक की प्रासंगिकता और समीक्षकों के विचारों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संदीप सोनगरा ने किया तथा आभार प्रो. दशरथ आर्य ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

स्कूल की 25 बसों की गई जांच

मंदसौर। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी दीपक माझी एवं स्टाफ ने जिले में संचालित वात्सल्य एवं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल की 25 बसों की गई। परिवहन विभाग की जांच के दौरान एक स्कूल वाहन का वैध पीयूसी, परमिट, फिटनेस और नंबर की जाँच की गई। जिन स्कूल वाहन में कमी पाई गई उन कमी को दूर करने के निर्देश दिए।

घना जंगल अभियान का शुभारंभ, पौधारोपण कर हरित मंदसौर का लिया संकल्प

मंदसौर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के उद्देश्य से भारत विकास परिषद, शाखा मंदसौर द्वारा रविवार को इंडस्ट्रियल एरिया स्थित काबरा पेट्रोल पंप के सामने 'घना जंगल अभियान' का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत क्षेत्र में अधिकाधिक पौधारोपण कर उसे सघन हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अतिथियों द्वारा पौधारोपण के साथ हुआ। इस अवसर पर भगवताचार्य पं. दशरथभाई, पं. विष्णु शर्मा, पूर्व विधायक सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम पोरवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करना है, ताकि मंदसौर में स्थायी एवं सघन हरित क्षेत्र विकसित किया जा सके। अतिथियों ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में परिषद अध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। संचालन नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने किया तथा दिलीप सेठिया ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पार्षद भारती पाटीदार, गरिमा भाटी, सीएमएचओ डॉ. आर.के. द्विवेदी, लायंस क्लब गोल्ड के अध्यक्ष मनोज मित्तल, वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष जगदीशचंद्र चौधरी, अग्रवाल समाज अध्यक्ष आशीष गुप्ता सहित जय मातादी ग्रुप, उत्कर्ष साख संस्था के सदस्य, भारत विकास परिषद के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

पर्यावरण को शुद्ध करने में एक पौधा भी बहुत महत्व रखता है: विधायक जैन

मंदसौर। जिला राजपूत समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में आज जिला राजपूत समाज पद्मावती कन्या छात्रावास के समीप जिला राजपूत समाज द्वारा आरोपित प्रताप उपवन में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में विधायक विपिन जैन ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में कार्य करना चाहिए राजपूत समाज ने बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कर अच्छा कार्य किया है क्योंकि जीवन में एक पौधा भी पर्यावरण को शुद्ध रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक भाजपा के वरिष्ठ नेता यशपाल सिंह सिसोदिया ने जिला राजपूत समाज के प्रताप वन उद्यान की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने इतने बड़े स्तर पर उद्यान विकसित किया है। जो ना केवल पर्यावरण को शुद्ध करने में माहिती भूमिका अदा करेगा अपितु इतने बड़े स्तर पर मेंटेन कर पौधों को चलाना पूरे नगर के लिए अनुकरणीय कार्य है। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौहान सचिन के के सिंह भाटी, संगठन अध्यक्ष रघुनाथ सिंह राठौर, भोपाल सिंह धारियाखेड़ी, डॉ शिव सिंह भाटी, संगठन सचिव भूपेंद्र सिंह खेड़ी धर्मपाल सिंह देवड़ा, डॉ प्रीति पालसिंह राणा, दशरथ सिंह चंद्रावत, मदन सिंह देवड़ा, ज्ञान सिंह राठौड़, दमन सिंह चंद्रावत, महेंद्र सिंह पतलासी, श्रीमती उमा झाला आदि बड़ी संख्या में राजपूत जन उपस्थित थे।

जिले के 1273 बूथों पर सुना गया प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' का 136वां संस्करण

मंदसौर। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक अभियान के तहत रविवार को जिले के 21 मंडलों के 180 शक्ति केंद्रों के अंतर्गत आने वाले सभी 1273 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए युवाओं, नवाचार, विज्ञान, आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने मंदसौर उत्तर मंडल के बूथ क्रमांक 88 पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने मल्हारगढ़ मंडल के बूथ क्रमांक 57 पर कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' का श्रवण किया। गरोठ-भानपुरा विधायक चंद्रसिंह सिसोदिया ने भानपुरा स्थित कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान जिले के सभी मंडलों में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर — पावन निश्रा में बंडीजी का बाग में आयोजित धर्मसभा

बच्चों को संस्कारवान बनाना माँ का दायित्व : आचार्य सागरचन्द्रसागरजी

मंदसौर। माँ बच्चे की प्रथम गुरु होती है, माँ बच्चे के पालन पोषण के दौरान उसका पूरा ख्याल रखती है माँ को प्रथम गुरु इसलिये कहा है कि माँ बच्चे को बोलना, चलना सिखाती है अच्छे बुरे का ज्ञान कराती है। माँ यदि ठान लेती वह बच्चे को संस्कारवान बनाकर इस जगत में संसार को यश दिलाने का काम कर सकती है लेकिन वर्तमान समय में माँ को भी अपने दायित्व का बोध कराना जरूरी होता जा रहा है माँ बच्चे को संस्कारवान बनाने पर ध्यान दे।

उक्त उद्गार परम पूज्य जैनाचार्य अशोकसागरजी म.सा. की पावन निश्रा में बण्डीजी का बाग में रविवार को आयोजित धर्मसभा में आचार्य सागरचन्द्र सागरजी म.सा. ने कहे। आपने यहा कन्हैयालाल संघवी, प्रदीप कुमार, प्रीत कुमार संघवी परिवार के द्वारा आयोजित श्री आदिनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में कहा कि आचार्य श्री आर्यरक्षित सूरि का नाम जैन इतिहास में आदर के साथ लिया जाता है उनको जैन संत बनने की प्रेरणा उनकी माँ रूद्र सोमा ने दी थी। 12 वर्ष तक संस्कृत का ज्ञान लेने के बाद जब इस दशपुर नगरी में जन्मे आर्यरक्षित सूरि जब अपनी माता के पास पहुंचे तो माँ ने उसे गले लगाने की बजाय जैन दर्शन, जैन आगम का ज्ञान प्राप्त करने की प्रेरणा दी इसी प्रेरणादायी माता के संस्कारों के कारण ही आर्यरक्षित महान आचार्य हुए और उन्होंने इस दशपुर नगरी (मंदसौर) का नाम रोशन किया। संसार में जितने भी महापुरुष हुए है उनको प्रेरणा देने में उनकी माँ का भी योगदान है। शिवाजी की प्रेरणा उनकी माँ जीजाबाई, राम की प्रेरणा उनकी माँ कौशल्या और पिता थे लेकिन वर्तमान समय में मातृत्व कहीं खो गया है ढाई तीन वर्ष के बच्चे को प्ले स्कूल व कान्वेंट स्कूल में भर्ती कराकर क्या हम अपनी जिम्मेदारी से तो नहीं भाग रहे है यह विचार करो।